डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन के नेतृत्व में एनआईसी के सुझावों के साथ जनगणना 2026 के लिए डिजिटल तैयारियों की समीक्षा की गई।

जनपद में **जनगणना 2026** के कार्य को पूरी शुद्धता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी **डॉ. विपिन कुमार जैन** ने कलेक्ट्रेट स्थित एन.आई.सी. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी 23 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

प्रशिक्षण की गुणवत्ता और मूल्यांकन अनिवार्य

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी स्तर पर त्रुटि स्वीकार्य नहीं होगी।

- **सघन प्रशिक्षण:** 23 अप्रैल से शुरू होने वाले प्रशिक्षण शिविरों में सभी प्रगणकों और सुपरवाइजर्स की उपस्थिति अनिवार्य है।
- **अनिवार्य टेस्ट:** जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण के समापन पर सभी कार्मिकों का **मूल्यांकन (टेस्ट)** लिया जाए।
- **सुविधाएं:** प्रशिक्षण स्थलों पर पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और डिजिटल संसाधनों की पुख्ता व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं।

अपर जिला जनगणना अधिकारी/ DIO (NIC) की भूमिका

डिजिटल जनगणना को सफल बनाने के लिए **अपर जिला जनगणना अधिकारी/ जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (DIO, NIC)** को तकनीकी पक्ष का मुख्य उत्तरदायी बनाया गया है। उनके प्रमुख दायित्व निम्नलिखित होंगे:

CMMS पोर्टल प्रबंधन: भारत सरकार के *Census Management & Monitoring System (CMMS)* पोर्टल के नोडल अधिकारी के रूप में पोर्टल की समस्त गतिविधियों की निगरानी करना और पोर्टल पर सभी आवश्यक कार्यों को देखना।

समन्वय और समय-सीमा पर जोर

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों और नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं ताकि जनगणना प्रक्रिया सुव्यवस्थित ढंग से शुरू हो सके।

"जनगणना केवल एक संख्यात्मक कार्य नहीं, बल्कि भविष्य की योजनाओं का आधार है। इसमें शत-प्रतिशत शुद्धता सुनिश्चित करना हर अधिकारी का नैतिक और प्रशासनिक दायित्व है।" — **डॉ. विपिन कुमार जैन, जिलाधिकारी**

मीडिया कवरेज

Download App from
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
Follow us on
-15%
-15%

Preparations

डीएम ने जनगणना प्रशिक्षण की समीक्षा की: 23 अप्रैल से प्रगणक-सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू होगा

अमर श्रीवास्तव | बिशुनीपुर(बलरामपुर सदर), बलरामपुर
20 घंटे पहले

जनपद में जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने 21 अप्रैल 2026 को समीक्षा बैठक की। यह बैठक कलेक्ट्रेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई।

बैठक में जनपद के सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, खंड विकास अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इसमें 23 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तहसील और नगरीय निकाय स्तर पर होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरता और सुव्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण स्थलों पर बैठने, पेयजल, विद्युत, प्रशिक्षण सामग्री और तकनीकी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि प्रतिभागियों को कोई असुविधा न हो।

डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि प्रशिक्षण के बाद सभी प्रगणकों और सुपरवाइजर्स का मूल्यांकन (टेस्ट) कराया जाए। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता का आकलन हो सकेगा और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सभी कार्मिक जनगणना की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं को ठीक से समझ गए हैं।

उन्होंने जोर दिया कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें शत-प्रतिशत शुद्धता और पारदर्शिता आवश्यक है। इसलिए, प्रशिक्षण के दौरान हर बिंदु को गंभीरता से समझाया जाए, ताकि फील्ड स्तर पर त्रुटि की कोई संभावना न रहे।

बैठक के अंत में, जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य जनपद में जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराना है।

Digital Preparedness for Census 2026 Reviewed with NIC Inputs under Leadership of DM Dr. Vipin Kumar Jain

To ensure the **Census 2026** process is conducted with absolute accuracy and transparency within the district, District Magistrate (DM) **Dr. Vipin Kumar Jain** held a review meeting at the N.I.C. Video Conferencing Room in the Collectorate. The meeting finalized preparations for the upcoming **three-day intensive training program** scheduled to begin on **April 23**.

Quality of Training and Mandatory Evaluation

The District Magistrate issued strict directives stating that no errors at any level would be tolerated in a national task as significant as the Census.

- **Intensive Training:** Attendance is mandatory for all enumerators and supervisors in the training camps starting April 23.
- **Mandatory Testing:** The DM directed that an evaluation (test) must be conducted for all personnel upon the completion of their training.
- **Facilities:** Instructions were given to ensure robust arrangements for drinking water, uninterrupted power supply, and digital resources at all training venues.

Role of Additional District Census Officer / DIO (NIC)

To ensure the success of the **Digital Census**, the Additional District Census Officer / District Informatics Officer (DIO, NIC) has been made primarily responsible for the technical aspects. Their key responsibilities include:

- **CMMS Portal Management:** Acting as the Nodal Officer for the Government of India's **Census Management & Monitoring System (CMMS)** portal, monitoring all activities, and overseeing all necessary tasks on the platform.

Emphasis on Coordination and Deadlines

During the meeting, the DM instructed all Sub-Divisional Magistrates (SDMs), Tehsildars, Block Development Officers (BDOs), and Executive Officers of urban local bodies to work in close coordination. He stated firmly that all preparations must be completed within the stipulated timeline to ensure the census process begins systematically.

"Census is not merely a numerical exercise; it is the foundation for future planning. Ensuring 100% accuracy in this task is the moral and administrative responsibility of every officer." — **Dr. Vipin Kumar Jain, District Magistrate**

Media coverage

दैनिक भास्कर
होम वीडियो सर्च
टॉप न्यूज़
राज्य-शहर
IPL 2026
चुनाव 2026
भास्कर खास
DB ओरिजिनल
स्पोर्ट्स
बॉलीवुड
जॉब - एजुकेशन
बिजनेस
लाइफस्टाइल
जीवन मंत्र
फेक न्यूज एक्सपोज़
ओपिनियन
मधुरिमा
मैगजीन
यूटिलिटी
लाइफ - साइंस
मध्य प्रदेश
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
बिहार
Download App from
GET IT ON Google Play
Download on the App Store
Follow us on
-15%
-15%

Preparations

डीएम ने जनगणना प्रशिक्षण की समीक्षा की: 23 अप्रैल से प्रगणक-सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू होगा

अमर श्रीवास्तव | बिशुनीपुर(बलरामपुर सदर), बलरामपुर
20 घंटे पहले

जनपद में जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने 21 अप्रैल 2026 को समीक्षा बैठक की। यह बैठक कलेक्ट्रेट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई।

बैठक में जनपद के सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, नगर पालिकाओं व नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, खंड विकास अधिकारी और खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इसमें 23 अप्रैल 2026 से शुरू होने वाले तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों की बिंदुवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि तहसील और नगरीय निकाय स्तर पर होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरता और सुव्यवस्थित तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने प्रशिक्षण स्थलों पर बैठने, पेयजल, विद्युत, प्रशिक्षण सामग्री और तकनीकी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि प्रतिभागियों को कोई असुविधा न हो।

डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि प्रशिक्षण के बाद सभी प्रगणकों और सुपरवाइजर्स का मूल्यांकन (टेस्ट) कराया जाए। इससे प्रशिक्षण की गुणवत्ता का आकलन हो सकेगा और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सभी कार्मिक जनगणना की प्रक्रिया और तकनीकी पहलुओं को ठीक से समझ गए हैं।

उन्होंने जोर दिया कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें शत-प्रतिशत शुद्धता और पारदर्शिता आवश्यक है। इसलिए, प्रशिक्षण के दौरान हर बिंदु को गंभीरता से समझाया जाए, ताकि फील्ड स्तर पर त्रुटि की कोई संभावना न रहे।

बैठक के अंत में, जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए निर्धारित समय-सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य जनपद में जनगणना कार्य को सुचारु रूप से संपन्न कराना है।